अंटार्कटिका प्रायद्वीप में ‘हरित क्षेत्र’

स्रोत: डाउन टू अर्थ

अंटार्कटिक प्रायद्वीप में वर्ष वर्ष 1986 से वर्ष 2021 के बीच **वनस्पतिकीय क्षेत्र** में 10 गुना वृद्धि हुई है। यह 1 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर लगभग 12 वर्ग किलोमीटर हो गया है।

- **वर्ष 2016-2021** में वनस्पतिकीय आवरण में **वार्षिक 0.424 वर्ग किमी की दर से परिवर्तन** हुआ, जबकि **35 वर्ष की अध्ययन अवधि में यह दर 0.317 वर्ग किमी** वार्षिक थी।
- मॉस पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से **जैविक मृदा निर्माण** और पौधों की अधिक संख्या में उपस्थिति हो सकती है।
    - **इससे गैर-स्थानिक और आक्रामक प्रजातियों** के संभावित प्रवेश के बारे में भी चिंता उत्पन्न होती है।
    - **काई (मॉसेस) अग्रणी प्रजातियाँ** हैं जो पारिस्थितिकि अनुक्रम की शुरुआत करती हैं।
    - **पारिस्थितिकि अनुक्रम,** बदलते पर्यावरण के संबंध में किसी दिये गए क्षेत्र की प्रजातियों में होने वाला **स्थिर और क्रमिक परिवर्तन** है।
- यह **हरियाली संभवतः** क्षेत्र में **तीव्र तापमान वृद्धि** के कारण है, जो वैश्विक औसत से **पाँच गुना अधिक तेज़ी से बढ़ रहा है।**
- अंटार्कटिक प्रायद्वीप की बर्फ की चादर अपने **छोटे आकार और उत्तरी स्थान** के कारण जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील है। वर्ष 1950 के बाद से इसके तापमान में **लगभग 3 डिग्री सेल्सियस** की वृद्धि हो गई है।
- ग्लेशियरों के पिघलते के साथ पौधों के लिये अधिक भूमि उपलब्ध होती जाती है, जिससे हरियाली की प्रक्रिया में और तेज़ी आती है।

//

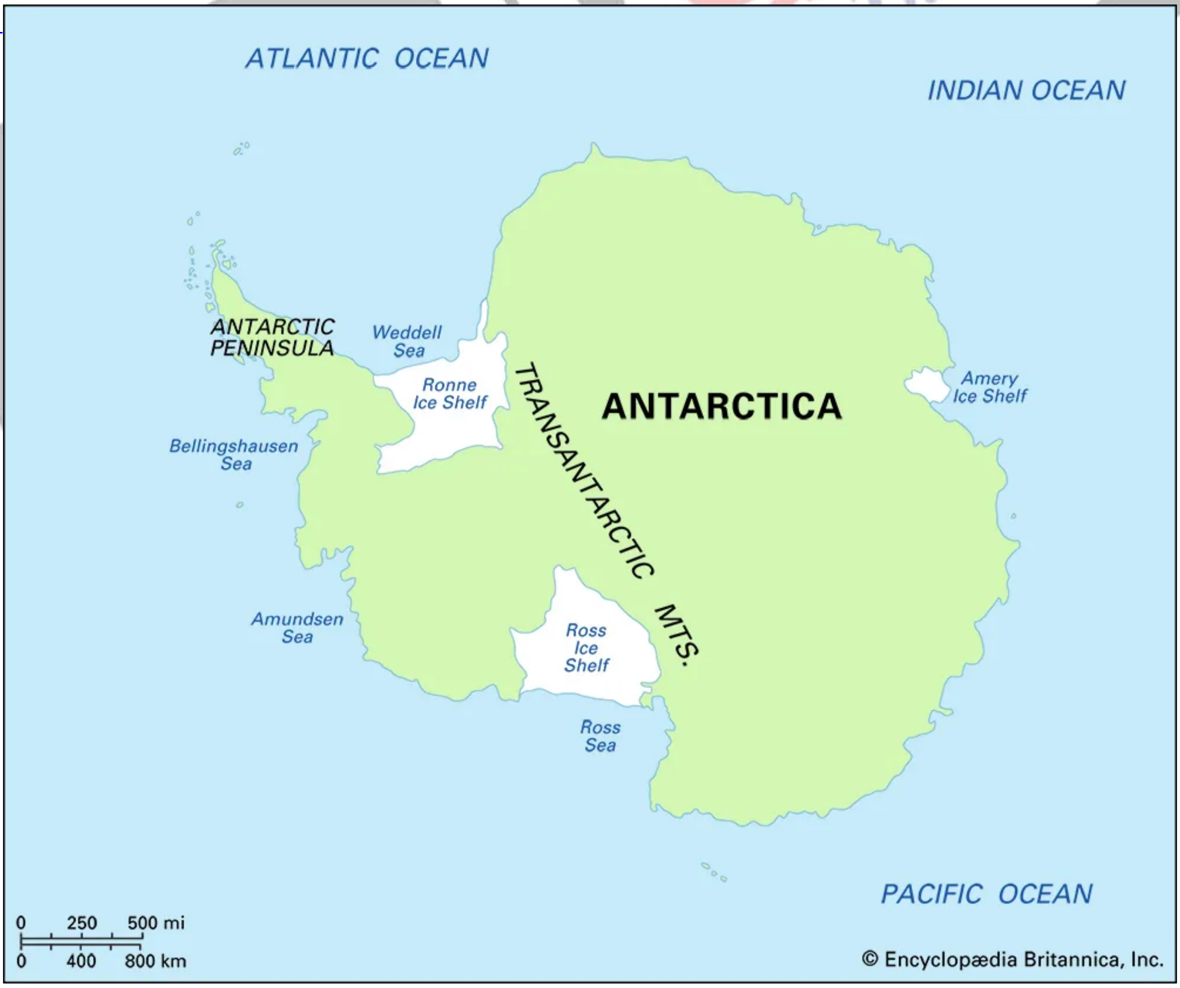

और पढ़ें: [अंटार्कटिका और भारत](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/greening-of-antarctic-peninsula